आज का मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. सात निश्चय योजना क्या है? इसके प्रमुख घटकों की व्याख्या करें और बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में इसकी भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण करें। [BPSC सामान्य अध्ययन II खंड II: 38 अंक]।
2. जीविका दीदी पहल क्या है? इसके उद्देश्यों की व्याख्या करें और बिहार में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका का विश्लेषण करें। [BPSC सामान्य अध्ययन II खंड II: 38 अंक]

बिहार स्पेशल

85वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) का 85वां सत्र 20 और 21 जनवरी, 2025 को बिहार के पटना में आयोजित किया जाएगा।

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे और बिहार विधानमंडल सह-मेजबानी करेगा।
  - इस सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्षों सहित 54 पीठासीन अधिकारी भाग लेंगे और राज्य विधानसभाओं के 31 सचिव सम्मेलन में भाग लेंगे। लोकसभा से 60 और राज्यसभा से सात अधिकारी शीर्ष निकाय की बैठक में भाग लेंगे
  - दो दिवसीय कार्यक्रम का विषय भारतीय संविधान की 75वीं गौरवशाली यात्रा पर आधारित है।
- इस सम्मेलन में संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के संदर्भ में संवैधानिक मूल्यों के सशक्तिकरण में संसद और राज्य विधानसभाओं के योगदान पर चर्चा की जाएगी।

एआईपीओसी के बारे में:

- यह भारत में विधानमंडलों का सर्वोच्च निकाय है जो लोकसभा के मार्गदर्शन में सभी विधान सभाओं और परिषदों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन विचारों को साझा करने के लिए एक मंच है।
  - यह सम्मेलन 43 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बिहार में आयोजित किया जा रहा है, जिसे पिछली बार 1982 में आयोजित किया गया था। यह तीसरी बार है जब बिहार पटना में एआईपीओसी की मेजबानी कर रहा है

राष्ट्रीय समसामयिकी

मिशन मौसम

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **14 जनवरी, 2025** को 'मिशन मौसम' की शुरुआत की।

- इसे भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के **150वें** स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले समारोहों के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया।
- **उद्देश्य:** भारत को मौसम के प्रति तैयार और जलवायु-स्मार्ट राष्ट्र बनाना।
- **लाभ:**
  - इससे कृषि, आपदा प्रबंधन, रक्षा, विमानन, ऊर्जा और स्वास्थ्य सहित कई क्षेत्रों को लाभ मिलने की उम्मीद है।
  - इसके अतिरिक्त, यह शहरी नियोजन, परिवहन और पर्यावरण निगरानी में डेटा-संचालित निर्णय लेने में सहायता करेगा।

मिशन के बारे में:

- इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सितंबर 2024 में मंजूरी दी थी, जिसका बजट दो वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये है।
- इस परियोजना को मुख्य रूप से भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान और राष्ट्रीय मध्यम-अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।

- ❖ यह अगली पीढ़ी के रडार, उपग्रहों और उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटरों के साथ वायुमंडलीय अवलोकनों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है, साथ ही मौसम और जलवायु प्रक्रियाओं की समझ में सुधार करता है। मिशन दीर्घकालिक मौसम प्रबंधन और हस्तक्षेप रणनीतियों में सहायता के लिए महत्वपूर्ण वायु गुणवत्ता डेटा भी प्रदान करेगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग
- ❖ यह भारत की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा है। इसकी स्थापना 1875 में भारत सरकार द्वारा की गई थी।
- ❖ IMD का मुख्यालय नई दिल्ली में मौसम भवन में स्थित है।
- ❖ यह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

पर्यावरण एवं भूगोल

सोनमर्ग सुरंग

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **13 जनवरी, 2025** को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में प्रतिष्ठित सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया और इसे राष्ट्र को समर्पित किया।

- ❖ सुरंग परियोजना पर काम **मई 2015** में शुरू हुआ और 2024 में पूरा हुआ।
- ❖ **सुरंग के बारे में:**
- ❖ इससे गंदेरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच यात्रा का समय काफी कम होकर सिर्फ़ **20-25** मिनट रह जाएगा।
- ❖ यह अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है जो उपयोगकर्ताओं के लिए वास्तविक समय के अपडेट और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करती है।
- ❖ **महत्व:**
  - ➢ सुरंग का खुलना लद्दाख क्षेत्र को पूरे साल सड़क मार्ग से सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
  - ➢ यह इंजीनियरिंग चमत्कार क्षेत्र के व्यापार और पर्यटन क्षेत्रों की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए तैयार है।

  - ➢ सुरंग सोनमर्ग में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देगी, साथ ही सोनमर्ग और गगनगीर के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी जो निर्माणाधीन ज़ोजिला सुरंग की ओर जाने वाली सड़क तक जाती है।
  - ➢ इससे कारगिल और लेह जिलों सहित पूरे क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

खेल

खो-खो विश्व कप का पहला संस्करण

चर्चा में क्यों?

खो-खो विश्व कप 2025 के पहले संस्करण का आधिकारिक तौर पर **13 जनवरी, 2025** को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, **नई दिल्ली** में एक भव्य समारोह में उद्घाटन किया गया।

- ❖ उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी. टी. उषा और भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खो-खो विश्व कप 2025 की औपचारिक मशाल प्रज्वलित की।
- ❖ यह खेल भावना, एकता और भारत के पारंपरिक खेल के वैश्विक उत्सव का प्रतीक है।
- ❖ इस ऐतिहासिक आयोजन ने पारंपरिक भारतीय खेल की वैश्विक शुरुआत की, जिसमें 20 देशों की टीमें भाग ले रही हैं।
- ❖ भारतीय खो-खो महासंघ ने पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के लिए 15 सदस्यीय टीमों का चयन किया है।

- प्रतीक वायकर को पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि प्रियंका इंगले महिला टीम की अगुआई करेंगी।

महत्वपूर्ण दिन/ तिथियाँ

सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस

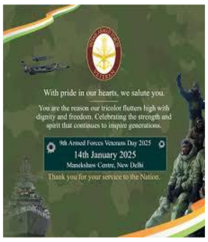

चर्चा में क्यों?

सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस हर साल **14 जनवरी** को मनाया जाता है।

- **उद्देश्य:**
  - देश की सेवा के लिए अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ समय समर्पित करने वाले दिग्गजों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना और देश की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वालों को याद करना।
- **यह 14 जनवरी को क्यों मनाया जाता है?**
  - 1947 के युद्ध में भारतीय सेना को जीत दिलाने वाले पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की सेवानिवृत्ति को चिह्नित करने के लिए।

- ओडिशा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) को लागू करने वाला 34वां राज्य बन गया।

- स्वदेशी रूप से विकसित तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक फायर-एंड-फॉरगेट गाइडेड मिसाइल नाग एमके 2 के क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षण राजस्थान के पोखरण फील्ड रेंज में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

- समझौते का उद्देश्य बाढ़, सूखा, गर्मी, शीत लहर, आकाशीय बिजली और यहां तक कि भूकंप जैसी आपदाओं की निगरानी और भविष्यवाणी करने की बिहार की क्षमता को बढ़ाना है।
- सैटेलाइट डेटा का उपयोग प्रारंभिक चेतावनी देने और प्रतिक्रिया रणनीतियों को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। रिमोट सेंसिंग तकनीक से नदी की गहराई और जल प्रवाह का अनुमान लगाया जा सकेगा, जिससे बाढ़ से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।
- इसके अतिरिक्त, एमओयू में अनुसंधान और शिक्षा के प्रावधान शामिल हैं, जिससे बिहार के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र अकादमिक और वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए एसएसी और इसरो के साथ सहयोग कर सकेंगे।

❍❍❍❍